

Class 10 हिन्दी

Most Important Questions

1. शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है ?

[2009, 11, 12, 14, 15, 18, 24]

उत्तर- शहनाई की दुनिया में डुमराँव को निम्नलिखित कारणों से याद किया जाता है-

1. डुमराँव विश्व प्रसिद्ध शहनाई वादक बिस्मिल्ला खाँ की जन्मभूमि है।
2. शहनाई बजाने में जिस 'रीड' का प्रयोग होता है, वह मुख्यतः डुमराँव में सोन नदी के किनारे पाई जाती है। यह रीड, नरकट एक प्रकार की घास से बनाई जाती है।
3. इस समय डुमराँव के कारण ही शहनाई जैसा वाद्य बजता है।

2. खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे ? [2009, 12, 13, 16, 24]

उत्तर - बालगोबिन भगत गृहस्थ थे। वे साधु तो थे पर वैसे साधु नहीं, जैसा सामान्यतः माना जाता है। बालगोविन अपनी निम्नांकित चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे

- (क) वे कभी झूठ नहीं बोलते थे और खरा व्यवहार रखते थे।
- (ख) वे स्पष्टवादी थे और किसी से खामखाह झगड़ा मोल नहीं लेते थे।
- (ग) वे दूसरों की किसी चीज या स्थान को अपने व्यवहार में नहीं लाते थे।
- (घ) वे अपने खेत में उत्पन्न वस्तु को कबीरपंथी मठ में ले जाते थे। वहाँ से प्रसाद स्वरूप जो मिलता उसे घर लाकर अपनी गुजर चलाते थे।

3. कविता में फसल जाने के लिए किन-किन आवश्यक तत्वों की बात कही गई है उत्तर फसल उपजाने जाने के लिए आवश्यक तत्व हैं अपनी मिट्टी सूरज की धूप हवा

4. लेखिका (मन्नू भंडारी) के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा ? लिखिए। [2022, 13, M.SET -22]

लेखिका के व्यक्तित्व पर मुख्य रूप से दो व्यक्तियों का प्रभाव पड़ा-

पिताजी का प्रभाव-लेखिका के व्यक्तित्व को बनाने-बिगाड़ने में उनके पिता का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने ही लेखिका के मन में हीनता की भावना पैदा की। उन्होंने ही उसे शक्की बनाया, विद्रोही बनाया। उन्होंने ही लेखिका को देश और समाज के प्रति जागरूक बनाया।

शीला अग्रवाल का प्रभाव-लेखिका को क्रियाशील, क्रांतिकारी और आंदोलनकारी बनाने में उनकी हिन्दी-प्राध्यापिका शीला अग्रवाल का योगदान है। शीला अग्रवाल ने अपनी जोशीली बातों से लेखिका के मन में बैठे संस्कारों को कार्य-रूप दे दिया। उन्होंने लेखिका के खून में शोले भड़का दिए। पिता उसे चारदीवारी तक सीमित रखना चाहते थे, परन्तु शीला अग्रवाल ने उसे जन-जीवन में खुलकर विद्रोह सिखा दिया

5. परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए हैं ?[2014, 24]

उत्तर-परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने निम्नलिखित तर्क दिए

- (क) बचपन में हमसे कितने ही धनुष टूटे, परन्तु आपने उन पर कभी क्रोध नहीं किया। इस विशेष धनु पर पर आपकी क्या ममता है ? ...
- (ख) हमारी नजर में तो सब धनुष एक-समान होते हैं। फिर इस धनुष पर इतना हो हल्ला क्यों?
- (ग) इस पुराने धनुष को तोड़ने से हमें क्या मिलना था ?
- (घ) राम ने तो इस धनुष को छुआ ही था कि यह अपने-आप टूट गया। इसमें राम का कोई दोष नहीं।

4. गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए

गोपियों के अनुसार राजा का धर्म उसकी प्रजा की हर तरह से रक्षा करना होता है तथा नीति से राजधर्म का पालन करना होता। एक राजा तभी अच्छा कहलाता है जब वह अनीति का साथ न देकर नीति का साथ दे।

5. गोपियों ने अपने वाक्चातुर्य के आधार पर ज्ञानी उद्धव को परास्त कर दिया, उनके वाक्चातुर्य की विशेषताएँ लिखिए ।

उत्तर-गोपियाँ वाक्चातुर्य हैं। वे बात बनाने में किसी को भी पछाड़ देती हैं। यहाँ तक कि ज्ञानी उद्धव उनके सामने गूँगे होकर खड़े रह जाते हैं। कारण यह है कि गोपियों के हृदय में कृष्ण प्रेम का सच्चा ज्वार है। यही उमड़ाव, यही जबरदस्त आवेग उद्धव की बोलती बंद करा देते हैं। सच्चे प्रेम में इतनी शक्ति है कि बड़े-से-बड़े ज्ञानी भी उसके सामने घुटने टेक देता है।

6. कैष्ण मूर्ति का चश्मा क्यों बार-बार बदल देता है? पठित पाठ के आधार पर उत्तर दें।

कैष्ण देशभक्त तथा शहीदों के प्रति आदरभाव रखने वाला व्यक्ति था। वह नेताजी की चश्माविहीन मूर्ति देखकर दुखी होता था। वह मूर्ति पर चश्मा लगा देता था पर किसी ग्राहक द्वारा वैसा ही चश्मा माँगे जाने पर उतारकर उसे दे देता था और मूर्ति पर दूसरा चश्मा लगा दिया करता था।

7. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के लिए अचरज का कारण क्यों थी ?

बालगोबिन भगत प्रतिदिन दो मील दूर नदी स्नान के लिए जाते थे। सुबह-शाम कबीर के गीत गाते खेती-बाड़ी करते, सभी कार्य स्वयं करते व गृहस्थ होते हुए भी साधुता का जीवन जीते थे। झूठ न बोलना, खरा व्यवहार करना, किसी की चीज़ को छूना और प्रत्येक नियम को बारीकी से पूरा करना लोगों के लिए कुतूहल का विषय था। सर्दी हो या गर्मी अपने भजन में तल्लीन रहना उनका विशेष गुण था। वृद्धावस्था में भी भगत जी की ऐसी दिनचर्या अचरज का कारण इन्हीं वजहों से बनी।

8. 'नौबत खाने में इबादत' पाठ का संदेश क्या है?

इस पाठ से हमें गायन-कला के साथ ही साथ धार्मिक सौहार्द, कला-प्रेम और सादगी की प्रेरणा मिलती है। यह पाठ हमें प्रेरणा देती है कि हम किसी भी धर्म को मानें, दूसरे धर्म का भी समान आदर करें। ईश्वर के सभी रूपों के आगे नतमस्तक होना चाहिए। कलाकार को कभी-भी अपनी कला को पूर्ण नहीं मानना चाहिए। कोई कला कभी पूर्ण नहीं होती-आगे बढ़ते रहने का प्रयास करते रहना चाहिए। इस पाठ से हमें सरलता और सादगी की भी प्रेरणा मिलती है।

9. बच्चे की दंतुरित मुस्कान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

बच्चे की दंतुरित मुस्कान को देखकर कवि का मन प्रसन्न हो उठता है। उसके-गंभीर मन में जान आ जाती है। उसे ऐसे लगता है मानो उसकी झोंपड़ी में कमल के फूल खिल उठे हों। मानो पथर जैसे दिल में प्यार की धारा उमड़ पड़ी हो या बबूल के पेड़ से शेफालिका के फूल झरने लगे हों।

10. आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है ?

भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना इसलिए भूल जाता है क्योंकि मित्रों की संगति में उसे खुशी और अपनापन महसूस होता है। जब वह अकेला होता है, तो उसे अपनी समस्याएँ और दुःख अधिक महसूस होते हैं, लेकिन दोस्तों के साथ होने पर उसका ध्यान उन दुखों से हट जाता है। और इसी कारण वह सिसकना भूल जाता है।

1. झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था ?

रात के अंधकार में सितारों से नहाया हुआ गंतोक लेखिका को जादुई अहसास करवा रहा था। उसे यह जादू ऐसा सम्मोहित कर रहा था कि मानो उसका आस्तित्व स्थगित सा हो गया हो, सब कुछ अर्थहीन सा था। उसकी चेतना शून्यता को प्राप्त कर रही थी। वह सुख की अतींद्रियता में डूबी हुई उस जादुई उजाले में नहा रही थी जो उसे आत्मिक सुख प्रदान कर रही थी।

2. साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। इस कथन पर अपने विचार लिखिए। [2010,14,15, 19]

उत्तर :- यह सही कहा गया है कि साहस और शक्ति के है। साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। एक विनम्र व्यक्ति ही संकट के समय में भी अपना आपा नहीं खोता है। जो विनम्र नहीं होते हैं वे मानसिक रूप से शीघ्र विचलित हो जाने के कारण अपना धैर्य खो बैठते हैं और गलतियाँ करने लगते हैं।

3. भगत ने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएं किस प्रकार प्रकट की ? [2012]

उत्तर - भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनायें कबीर के भक्ति गीत गाकर व्यक्त की। उन्होंने अपने पुत्र के शरीर को एक छटाई पर लिटा दिया, उसे सफेद चादर से ढक दिया, कबीर के भक्ति गीत गाए तथा अपनी पुत्रवधू से शोक की जगह उत्सव मनाने को कहा क्योंकि उनके पुत्र की आत्मा का मिलन उसके परमात्मा से हो गया था।

4. गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान (भाग्यशाली) कहने में क्या व्यंग्य निहित है | [2012, 19]

उत्तर - गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में यह व्यंग्य निहित है कि उद्धव वास्तव में भाग्यवान न होकर अति भाग्यहीन हैं। वे कहना चाहती हैं कि हे उद्धव ! तुम बड़े अभाग्य हो कि कृष्ण रूपी अद्वितीय सौंदर्य और प्रेम रस के सागर के सानिध्य में रहते हुए भी तुम उस असीम प्रेम का अनुभव नहीं कर सके, न कृष्ण के हो सके, न कृष्ण को अपना बना सके। तुमने प्रेम का आनन्द जाना ही नहीं, यह तुम्हारा दुर्भाग्य है।

5. लक्ष्मण के स्वभाव की विशेषताएँ लिखें । [2010, 11, 12, 23]

उत्तर- लक्ष्मण के स्वभाव की विशेषताएँ :

1. लक्ष्मण तर्कशील स्वभाव वाले थे।
2. लक्ष्मण अत्यंत बुद्धिमान थे ।
3. अपने से बड़े तथा गुरु जैसे व्यक्ति को भी भला-बुरा कहने से बाज नहीं आते।
4. लक्ष्मण क्रोधी स्वभाव के थे।
5. वे व्यंग्य-वचनों से परशुराम को पीड़ित करते हैं।

6. 'फसल' की हाथों की 'गरिमा' और महिमा' कहकर कवि ने क्या व्यक्त करना चाहा है? [2013, 18]

उत्तर- इसमें कवि कहना चाहता है कि किसानों के हाथों का प्यार भरा स्पर्श पाकर ही ये फसलें इतनी फलती-फूलती हैं। यह किसानों के श्रम की गरिमा और महिमा ही है जिसके कारण फसलें इतनी अधिक बढ़ती चली जाती हैं।

7. कवि नागार्जुन के अनुसार 'फसल' क्या है? [2009, 12, 18]

उत्तर- कवि के अनुसार फसल पानी, मिटटी, धूप, हवा एवं मानव-श्रम का की मिला-जुला रूप है। इसमें सभी नदियों के पानी का जादू समाया हुआ है। कवि के अनुसार फसल नदियों के पानी का जादू, मनुष्य के हाथों के स्पर्श की महिमा, भूरी-काली मिट्टी का गुण-धर्म, सूरज की किरणों का रूपांतरण तथा हवा की - थिरकन का सिमटाँ हुआ रूप है।

8. संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं का सहयोग करते हैं? [2009, 10, 13, 16, 20]

उत्तर- संगतकार निम्नलिखित रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं-

1. गायन के समय यदि गायक-गायिका का स्वर भारी हो तो संगतकार अपनी आवाज़ से उसमें मधुरता भर देता है।
2. जब गायन करते समय मुख्य गायक-गायिका अपनी लय को लाँघकर भटक जाते हैं तो संगतकार उस भटकाव को सँभालता है।
3. वे गायक गायिका के अकेलेपन के एहसास को दूर का
4. गायन के समय मुख्य गायक का स्तर धीमा होने लगता है तो वह उसकी गायन में अपने स्तर को मिलाकर उसकी गति को सुर का साथ देता है।

9. संगतकार के माध्यम से कवि ने किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाहा है ? [2009, 10, 13]

उत्तर- संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलाव बड़े-बड़े नेताओं, अभिनेताओं, संतों-महात्माओं के साथ भी इसी प्रकार सहयोग करते हैं। नेताओं के इर्द-गिर्द वाले सभी सहायक उपनेता अपने बड़े नेता के महत्त्व को बढ़ाने में लगे रहते हैं। संतों-महात्माओं के आने से पहले उनकी महिमा का गुणगान करने वाले भक्त और उनके जाने के बाद उनका प्रचार करनेवाले भक्त भी संगतकार के समान सहायता करते हैं

10. हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुकते और नेताजी को क्यों निहारते थे ? [2012]

उत्तर : हालदार साहब का हमेशा चौराहे पर रुकना और नेताजी को निहारना यह प्रकट करता है कि उनके अंदर देशभक्ति की प्रबल भावना थी और वे स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले महापुरुषों का हृदय से आदर करते थे।

1. पठित पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए। [2010, 15,19]

बालगोबिन भगत प्रभु-भक्ति के मस्ती-भरे गीत गाया करते थे। उनके गानों में सच्ची टेर होती थी। उनका स्वर इतना मोहक, ऊँचा और आरोही होता भा कि सुनने वाले मंत्रमुग्ध हो जाते थे। औरतें उस गीत को गुनगुनाने लगती थीं। खेतों में काम करने वाले किसानों के हाथ और पाँव एक विशेष लय में चलने लगते थे। उनक संगीत में जादुई प्रभाव था। वह मनमोहक प्रभाव सारे वातावरण पर छा जाता था।

2. लखनवी अंदाज पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा ?

उत्तर- लेखक ने भीड़ से बचकर एकांत में नई कहानी के संबंध में सोचने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देखने और आनंद लेने के लिए सेकंड क्लास का टिकट खरीदा ।

3. भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी ?

उत्तर भगत की पुत्रवधू उन्हें इसलिए अकेला नहीं छोड़ना चाहती थी क्योंकि भगत के इकलौते पुत्र और उसके पति की मृत्यु के बाद भगत अकेले पड़ गए थे। स्वयं भगत वृद्धावस्था में हैं। वे नियम धर्म का पालन करने वाले इंसान हैं, जो अपने स्वास्थ्य की तनिक भी चिंता नहीं करते हैं। वह वृद्धावस्था में अकेले पड़े भगत की सेवा करना चाहती थी और उनकी सेवा करके अपना जीवन बिताना चाहती थी।

4. कटाव पर किसी भी दुकान का ना होना उसके लिए वरदान है कैसे ? लिखिए

उत्तर : कटाओ' पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है, क्योंकि इससे वहां की सुंदरता और शांति बनी रहती है। अगर वहां दुकानें खुल जाएं, तो वहां गंदगी फैलेगी और वहां की सुंदरता खो जाएगी।

- कटाओ, सिक्किम का एक खूबसूरत और अनजान-सा स्थान है।
- यह अपनी स्वच्छता और सुंदरता के लिए जाना जाता है।
- इसे हिंदुस्तान का स्विट्ज़रलैंड भी कहा जाता है।
- कटाओ में दुकान न होने से वहां लोगों की संख्या कम रहती है।
- यदि कोई स्थान बिना दुकानों के है, तो वह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांति को बनाए रख सकता है।

इसलिए कटाव पर किसी भी दुकान का ना होना उसके लिए वरदान है

5. भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा को अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर - बालगोबिन भगत साठ वर्ष से अधिक उम्र वाले गोरे चिट्ठे इंसान थे। उनके बाल सफेद हो चुके थे। उनका चेहरा सफेद बालों से जगमगाता रहता था। कपड़ों के नाम पर उनके शरीर पर एक लँगोटी और सिर पर कनफटी टोपी धारण करते थे और गले में तुलसी की बेडौल माला पहने रहते थे। उनके माथे पर रामानंदी टीका सुशोभित होता था। सर्दियों में वे काली कमली ओढ़े रहते थे।

6. 'माता का ऊँचल' पाठ में आए ऐसे प्रसंगों का वर्णन कीजिए जो आपके दिल को छ गए हों। [2018, 19, 23, M.Set-23]

उत्तर- 'माता का ऊँचल' पाठ का सबसे रोमांचक प्रसंग वह है जब एक साँप सब बच्चों के पीछे पड़ जाता है। तब वे बच्चे किस प्रकार गिरते-पड़ते भागते हैं और माँ की गोद में छिपकर सहारा लेते हैं- इस प्रसंग ने मेरे हृदय को भीतर तक हिला दिया।

इस पाठ में गुदगुदाने वाले कई प्रसंग हैं। विशेष रूप से बच्चे के पिता का मित्रतापूर्वक बच्चों के खेल में शामिल होना मन को छू लेता है। जैसे ही बच्चे भोज, शादी का खेल खेलते हैं, बच्चे का पिता बच्चा बनकर उनमें शामिल हो जाता है। पिता का इस प्रकार बच्चा बन जाना बहुत सुखद अनुभव है जो मन को गुदगुदा गया।

7. लखनवी अंदाज पाठ का क्या संदेश है?

उत्तर- लखनवी अंदाज. नामक पाठ में लेखक यह संदेश देना चाहते हैं कि हमें अपना व्यावहारिक दृष्टिकोण विस्तृत करते हुए दिखावेपन से दूर रहना चाहिए। हमें वर्तमान के कठोर यथार्थ का सामना करना चाहिए तथा काल्पनिकता को छोड़कर वास्तविकता को अपनाना चाहिए

8. स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है ? [2015]

उत्तर- स्मृति को 'पाथेय' अर्थात् रास्ते का भोजन, सहारा या संबल बनाने का आशय यह है कि कवि अपने प्रेम की मधुर यादों के सहारे ही जीवन जी रहा है। अर्थात् कवि को अपने प्रिय की बहुत याद आ रही है।

9. नेताजी का चश्मा पाठ का क्या संदेश है? 1-2.

उत्तर- नेताजी का चश्मा. एक रोचक कहानी है। इसमें लेखक कहना चाहता है कि देशभक्ति का संबंध मन की भावना से है। देशभक्ति प्रकट करने के लिए न फौजी होना जरूरी है, न शरीर से शक्तिशाली होना। कोई भी मनुष्य, चाहे वह बच्चा हो या बूढ़ा, देशप्रेमी हो सकता है। यदि कोई मनुष्य अपने महापुरुषों के सम्मान के लिए छोटा-सा त्याग करता है, तो वह देशभक्त है।

10. जितेन नार्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं ?

[2014, 17, 18, 19, 20]

उत्तर - जितेन नार्गे एक कुशल गाइड था। वह अपने पेशे के प्रति पूरा समर्पित था। उसे सिक्किम के हर कोने के विषय में भरपूर जानकारी प्राप्त थी इसलिए वह एक अच्छा गाइड था।

एक कुशल गाइड में निम्नलिखित गुणों का होना आवश्यक है -

(क) एक गाइड अपने देश व इलाके के कोने-कोने से भली भाँति परिचित होता है, अर्थात् उसे सम्पूर्ण जानकारी होनी चाहिए।

(ख) उसे वहाँ की भौगोलिक स्थिति, जलवायु व इतिहास की सम्पूर्ण जानकारी होनी चाहिए।

(ग) एक कुशल गाइड को चाहिए कि वो अपने भ्रमणकर्ता के हर प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम हो।

1. कवि जयशंकर प्रसाद ने जो सुख का स्वप्न देखा था उसे कविता में किस रूप में अभिव्यक्त किया है? [2009, 10, 11, 17]

उत्तर-कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था, उसे 'आत्मकथ्य' कविता में चाँदनी रात में मिलने वाली प्रेयसी के रूप में अभिव्यक्त किया है। कवि कहता है कि मुझे वह सुख कहाँ मिल पाया जिसका स्वज देखते-देखते मैं जाग गया था, जो सुख मेरे गले लगते-लगते मुसकराते हुए दूर भाग गया। भाव यह कि कवि ने जिस सुख की कल्पना की वह उसे नहीं मिल पाया।

2. कवि की आँख फागुन की सुन्दरता से क्यों नहीं हट रही है? [2012, 15, 17] -

कवि की आँखें फागुन की सुंदरता से इसलिए नहीं हट रही हैं क्योंकि फागुन का महीना प्रकृति की सुंदरता का प्रतीक है। इस महीने में प्रकृति का सौंदर्य अपनी चरम सीमा पर होता है।

कवि की आँखें फागुन की सुंदरता से नहीं हटने के कारण:

- फागुन का मौसम बहुत सुहाना होता है।
- फागुन में मौजूद रंग-बिरंगे फूल, पत्ते और हवाएं बहुत खूबसूरत लगती हैं।
- फागुन का माहौल बहुत मस्त और शोभाशाली होता है।
- फागुन के कारण मौसम इतना सुहाना हो जाता है कि उस पर से आँख हटाने का मन नहीं करता।

3. हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ किस तरह से हो रहा है? [2012, 18]

हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। इस अणु विस्फोट ने सारी मानवता को झकझोर कर रख दिया। इसने विज्ञान की कुरुपता को उजागर कर दिया। इसी घटना के बाद विज्ञान को अभिशाप माना जाने लगा। इसने विज्ञान की शक्ति का दुरुपयोग किया।

हमारी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग निम्नांकित क्षेत्रों में हो रहा है-

(क) विज्ञान ने टी.वी. का दुरुपयोग बढ़ाया है। अब टी.वी. शिक्षा एवं स्वास्थ्य मनोरंजन का माध्यम न हरकर सेक्स एवं हिंसा परोसने का माध्यम बनता जा रहा है।

ख) विज्ञान ने लोगों की मानसिक शांति छीन ली है। विज्ञान का संबंध केवल बुद्धि से ही है, हृदय से नहीं।

4. लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया?

[2009, 13, 17]

उत्तर-लेखक हिरोशिमा की घटनाओं के बारे में सुनकर तथा उनके कुप्रभावों को प्रत्यक्ष देखकर भी विस्फोट का भोक्ता नहीं बन पाया। एक दिन वह जापान के हिरोशिमा नगर की एक सड़क पर धूम रहा था। अचानक उसकी नजर एक पत्थर पर पड़ी। उस पत्थर पर एक मानव की छाया छपी हुई थी। वास्तव में परमाणु-विस्फोट के समय कोई मनुष्य उस पत्थर के पास खड़ा होगा। रेडियो-धर्मी किरणों ने उस आदमी को भाप की तरह उड़ाकर उसकी छाया पत्थर पर डाल दी थी। उसे देखकर लेखक के मन में अनुभूति जग गई। उसके मन में विस्फोट का प्रत्यक्ष दृश्य साकार हो उठा। उस समय वह विस्फोट का भोक्ता बन गया।

4. पान वाले का रेखा चित्र प्रस्तुत कीजिए।

पान वाला एक काला, मोटा और खुशमिजाज आदमी था। वह भारी भरकम तोंद वाला था। वह हमेशा मुँह में भी पान भरे रहता था। किसी से भी बात करते समय बार-बार पीक फेंकता था। जब वह हँसता था तो उसकी तोंद थिरकने लगती थी और मुँह से पान-पीक के छींटें निकलते थे।

वह चश्मे वाले तथा उसकी देश भक्ति का हमेशा मजाक उड़ाया करता था। पान वाला चश्मे वाले को देशभक्त नहीं मानता है। नेताजी को बार-बार चश्मा लगाने के कारण वह उसे पागल मानता है। वह तो केवल उसका ऊपरी रूप देखकर उसे एक लँगड़ा इन्सान मानता है। उसके मन में चश्मे वाले की आंतरिक देशभक्ति के प्रति कोई सम्मान का भाव नहीं था।

5. संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा किन किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं?

संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा बड़े बड़े नेताओं, अभिनेताओं, संतों-महात्माओं के साथ भी इसी प्रकार सहयोग करते हैं। नेताओं के इर्द-गिर्द रहने वाले सभी सहायक उपनेता अपने बड़े नेता के महत्व को बढ़ाने में लगे रहते हैं। आम कार्यकर्ता, झंडे लगाने वाले नारे लगाने वाले कार्यकर्ता संगतकार की भूमिका ही निभाते हैं। संतों-महात्माओं के आने से पहले उनकी महिमा का गुणगान करने वाले भक्त और उनके जाने के बाद उनका प्रचार करने वाले भक्त भी संगतकार के समान होते हैं।

24. चश्मे वाले को देख कर हालदार साहब चक्कर में क्यों पड़ गए थे?

नेताजी का चश्मा' पाठ में, चश्मे वाले को देखकर हालदार साहब चक्कर में पड़ गए थे क्योंकि उन्हें लगा कि वह कोई फौजी आदमी या नेताजी का साथी रहा होगा। दरअसल, हालदार साहब को एक बूढ़ा, मरियल-सा लंगड़ा आदमी दिखाई दिया, जिसके सिर पर गांधी टोपी और आंखों पर काला चश्मा लगा था।

7. सेनानी न होते हुए भी लोग चश्में वाले को कैष्टन क्यों कहते थे ? [2023, 16, 14, 11]

उत्तर-सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैष्टन इसलिए कहते थे क्योंकि उसके अंदर देशभक्ति की भावना कूट-कूटकर भरी हुई थी। वह स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वाले सेनानियों का भरपूर सम्मान करता था। यह नेताजी की मूर्ति को बार-बार चश्मा पहनाकर देश के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा प्रकट करता था। देश के प्रति त्याग व समर्पण की भावना उसके हृदय में किसी भी सेनानी या फौजी से कम नहीं थी। इसी कारण लोग उसे कैष्टन कहते थे।

8. काशी में हो रहे, कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे ? [JAC-2023, 19, 15, 11, 13, 9]

उत्तर-काशी जो संगीत, साहित्य और आदर की परम्पराओं के लिए प्रसिद्ध थी, अब वहाँ की परम्पराओं में परिवर्तन आ गया था। गायकों के मन में संगतकारों के प्रति आदर नहीं रहा, घंटों किए जाने वाले रियाज को - कोई नहीं पूछता था। संगीत, साहित्य, आदर की अधिकतर परम्पराएँ समाप्त हो गई थीं। इन सबको देखकर बिस्मिल्ला खाँ व्यथित हो उठे थे।

3. बच्चे की मुस्कान और एक बड़े व्यक्ति की मुस्कान में क्या- अंतर है ? [JAC-2023, 19, 9, M.Set-22]

उत्तर- बच्चे की मुस्कान निश्छल, स्वाभाविक, उन्मुक्त, सभी को प्रभावित करने वाली होती है। बच्चे की मुस्कान दिव्य सौंदर्य से परिपूर्ण होती है। उनके मुस्कान में आकर्षण होता है। बड़े व्यक्ति की मुस्कान में निश्छलता नहीं होती, बल्कि परिस्थिति सापेक्ष होती है। बड़ों की मुस्कान में कृत्रिमता होती है। बड़ा व्यक्ति बँधी हुई मुस्कान ही बिखेर पाता है। बड़े व्यक्ति की मुस्कान में नैसर्गिक सौन्दर्य नहीं होता।

4. सफलता के चरम शिखर पर पहुँचकर यदि व्यक्ति लड़खड़ाते हैं । तब उसके सहगी किस प्रकार सँभालते हैं ? [JAC-2011, 14, 19, 23]

उत्तर-सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान ऐसे अनेक अवसर आते हैं, जब व्यक्ति लड़खड़ाने लग जाता है। ऐसे समय उसके सहयोगी ही उसे बल, उत्साह, शाबासी और साथ देकर सँभालते हैं। अच्छे सहयोगी उसके लिए अपनी जान की बाजी लगा देते हैं।

5. लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं ? [JAC-2010, 23]

उत्तर-लक्ष्मण ने वीर योद्धा की निम्नलिखित विशेषताएँ बताई-

- वीर योद्धा धैर्यवान होते हैं। वे क्षोभ से रहित होते हैं।
- वीर पुरुष किसी को अपशब्द नहीं कहते।
- शूरवीर युद्ध के मैदान में वीरतापूर्ण कार्य करके दिखाते हैं। वे अपनी वीरता के बारे में अपने मुँह से नहीं बताते।
- वे युद्ध में शत्रु को उपस्थित पाकर अपने प्रताप की डींग नहीं मारते हैं।

6. 'माता का आँचल' पाठ में आए ऐसे प्रसंगों का उल्लेख करें जो आपके दिल को छू गए हों। [JAC-2019, 23]

उत्तर- 'माता का आँचल' पाठ का सबसे रोमांचक प्रसंग वह है जब एक । साँप सब बच्चों के पीछे पड़ जाता है। तब वे बच्चे किस प्रकार गिरते-पड़ते भागते हैं और माँ की गोद में छिपकर सहारा लेते हैं- इस प्रसंग ने मेरे हृदय को भीतर तक हिला दिया।

इस पाठ में गुदगुदाने वाले कई प्रसंग हैं। विशेष रूप से बच्चे के पिता का मित्रतापूर्वक बच्चों के खेल में शामिल होना मन को छू लेता है। जैसे ही बच्चे भोज, शादी का खेल

खेलते हैं, बच्चे का पिता बच्चा बनकर उनमें शामिल हो जाता है। पिता का इस प्रकार बच्चा बन जाना बहुत सुखद अनुभव है जो मन को गुदगुदा गया।

7. गंगटोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर क्यों कहा गया है ? [JAC-2023, 18, 17, 14, 11, 9]

उत्तर- 'मेहनतकश' का अर्थ है-कड़ी मेहनत करने वाले। 'बादशाह' का अर्थ है- मन की मर्जी के मालिक। गंतोक एक पर्वतीय स्थल है। पर्वतीय क्षेत्र होने के नाते यहाँ की स्थितियाँ बड़ी कठिन हैं। अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। यहाँ के लोग इस मेहनत से घबराते नहीं और ऐसी कठिनाइयों के बीच भी मस्त रहते हैं। इसलिए गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों' का शहर' कहा गया है।

8. बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है ? [2010,14,15,16,18,20, 22, M.SET-22]

Ans. शहनाई मंगल ध्वनि का वाद है भारत में जितने भी शहनाई वादक हुए हैं उनमें बिस्मिल्लाह खान का नाम सबसे ऊपर है उनसे बढ़कर सुरीला शहनाई वादक और कोई नहीं हुआ इसलिए उन्हें शहनाई का मंगल ध्वनि का नायक कहा गया है

9. लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं? (2011,13,18,20)

लेखक को डिब्बे में आया देखकर नवाब साहब की आँखों में असंतोष छा गया। ऐसा लगा मानो लेखक के आने से उनके एकांत में बाधा पड़ गई हो। उन्होंने लेखक से कोई बातचीत नहीं की। उनकी तरफ देखा भी नहीं। वे खिड़की के बाहर देखने का नाटक करने लगे। साथ ही डिब्बे की स्थिति पर गौर करने लगे। इससे लेखक को पता चल गया कि नवाब साहब उनसे बातचीत करने को उत्सुक नहीं हैं।

10. लेखिका (मन्नू भंडारी) की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए।(2013,22)

लेखिका और उसके पिता के विचार आपस में टकराते थे। पिता लेखिका को देश-समाज के प्रति जागरूक बनाना चाहते थे किन्तु उसे घर तक ही सीमित रखना चाहते थे। वे उसके मन में विद्रोह और जागरण के स्वर भरना चाहते थे किन्तु उसे सक्रिय नहीं होने देना चाहते थे। लेखिका चाहती थी कि वह अपनी भावनाओं को प्रकट भी करे। वह देश की स्वतंत्रता में सक्रिय होकर भाग ले। यहीं आकर दोनों की टक्कर होती थी। विवाह के मामले में भी दोनों के विचार टकराए। पिता नहीं चाहते थे कि लेखिका अपनी मनमर्जी से राजेंद्र यादव से शादी करे। परन्तु लेखिका ने उनकी परवाह नहीं की।

11. "वो लँगड़ा क्या जाएगा फौज में। पागल है पालग!" कैष्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया दीजिए।(2013,20)

पानवाले की यह टिप्पणी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उसे चाहिए था कि वह चश्मेवाले कैष्टन की भावनाओं का सम्मान करता। उसे पता था कि कैष्टन ही सुभाषचंद्र बोस की आँखों पर अपनी ओर से चश्मा लगाए रहता है। वह भी केवल इसलिए कि नेताजी की मूर्ति अधूरी न लगे। उसकी इस भावना से देशभक्ति प्रकट होती है। अतः ऐसे व्यक्ति की कमियाँ या कुरुक्षेत्र नहीं देखनी चाहिए। न ही ऐसे व्यक्ति को पागल कहना चाहिए। अतः पानवाले की यह टिप्पणी गैर जिम्मेदाराना है।

12. श्रीकृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है?(2013,17,20)

गोपियों ने कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को निम्नलिखित युक्तियों से व्यक्त किया है-
वे स्वयं को कृष्ण रूपी गुड़ पर लिपटी हुई चींटी कहती हैं।

वे स्वयं को हारिल पक्षी के समान कहती हैं जिसने कृष्ण-प्रेम रूपी लकड़ी को दृढ़ता से थामा हुआ है।

वे मन, वचन और कम से कृष्ण को मन में धारण किए हुए हैं,

वे जागते-सोते, दिन-रात और यहाँ तक कि सपने में भी कृष्ण का नाम रटती रहती हैं।

13. 'अट नहीं रही है' कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है?(2014,20,M23)

'अट नहीं रही है' कविता फागुन मास की मस्ती और शोभा का वर्णन करती है। इसमें कवि ने कहा है कि फागुन की शोभा अपने में समा नहीं पा रही है। इसलिए वह बाहर छलक झलक पड़ती है। कहीं सुगंधित हवाएँ हैं, कहीं घरों में रंग-बिरंगे फूल उगे हैं, कहीं है आकाश में पक्षियों की टोलियाँ कलरव करती हुई उड़ान भर रही हैं। वृक्षों पर नए पत्ते उग आए हैं। कहीं लाल-हरे पत्ते सुशोभित हैं। कहीं सुगंधित फूल खिल रहे हैं। इस प्रकार जगह-जगह सौन्दर्य की छवि बिखरी पड़ी है।

1. बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है। यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं?/

लेखक का मानना है कि बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है अर्थात् विचार, घटना और पात्र के बिना कहानी नहीं लिखी जा सकती है। मैं लेखक के इन विचारों से पूर्णतया सहमत हूँ। वास्तव में कहानी किसी घटना विशेष का वर्णन ही तो है। इसका कारण क्या था, कब घटी, परिणाम क्या रहा तथा इस घटना से कौन-कौन प्रभावित हुए आदि का वर्णन ही कहनी है। अतः किसी कहानी के लिए विचार, घटना और पात्र बहुत ही आवश्यक हैं।

2 'माता का अँचल' पाठ में माता-पिता का बच्चे के प्रति जो वात्सल्य व्यक्त हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर- इस पाठ में माता-पिता का बच्चे के प्रति वात्सल्य अनेक स्थलों पर व्यक्त हुआ है-

पिता-

- (क) पिता बच्चे को अपने पास सुलाते हैं, उसे नहलाते-धुलाते हैं तथा अपने पूजा पर बिठाते हैं। वे बच्चे को प्यार से 'भोलानाथ' कहकर पुकारते हैं, वे रास्ते में झुके हुए पेड़ों की डालों पर बिठाकर झूला झूलाते हैं।
- (ख) कभी-कभी वे बच्चे के साथ कुश्ती लड़कर उसका उत्साह बढ़ाते हैं। वे बच्चे को चूमते हैं, उसे खट्टा-मीठा चुम्मा माँगते हैं। बच्चे द्वारा मूँछे नोंचने पर भी हँसते हैं।
- (ग) पिता बच्चे को अपने हाथ से भात खिलाते हैं।

माता-

- (क) माता बच्चे को भरपेट खाना खिलाना चाहती है। वह थाली में दही-भात मिलाती है और अलग-अलग तोता, मैना, कबूतर, हंस, मोर आदि बनावटी नामों से कौर बनाकर बच्चे को खिलाती है जिससे खाने में उसकी रुचि बनी रहे।
- (ख) माता बच्चे को अपने ढंग से सजाती-सँवारती है।

3 उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम कैसे किया ?

उत्तर- ब्रज की गोपियाँ इस प्रतीक्षा में बैठी थीं कि देर-सवेर कृष्ण उनसे मिलने अवश्य आएँगे, या अपना प्रेम-संदेश भेजेंगे। इसी से वे तृप्त हो जाएँगी। इसी आशा के बल पर वे वियोग की वेदना सह रही थीं। परन्तु ज्यों ही उनके पास कृष्ण द्वारा भेजा गया योग-संदेश पहुँचा, वे तड़प उठीं उनकी विरह-ज्वाला तीव्रता से भड़क उठी। उन्हें लगा कि अब कृष्ण उनके पास नहीं आएँगे। वे योग-संदेश में ही भटकाकर उनसे अपना पीछा छुड़ा लेंगे। इस भय से उनकी विरहाग्नि भड़क उठी।

4 लेखक ने किसे कूड़ाकरकट कहा है और क्यों ?

उत्तर- लेखक ने हिंदू-संस्कृति को कूड़े करकट का ढेर कहा है। वह हिंदुओं की वर्ण-व्यवस्था का विरोधी है जिसमें परिश्रमी लोगों को पददलित किया जाता था।

5 पाठ में आए किन प्रसंगों के आधार पर आप कह सकते हैं कि बिस्मिल्ला खाँ वास्तविक अर्थों में एक सच्चे इंसान थे।

उत्तर- बिस्मिल्ला खाँ वास्तविक अर्थों में एक सच्चे इंसान थे। उन्होंने कभी धार्मिक कटूरता तथा शुद्रता को बढ़ावा नहीं दिया। उन्होंने मुसलमान होते हुए भी कटूरता को स्वीकार नहीं किया। वे हिंदू-मुसलमान दोनों को समान दृष्टि से देखते थे। वे जिस श्रद्धा व आदर के साथ मंदिर में शहनाई बजाते थे उसी आदर भावना के साथ मुहर्रम में नौहा बजाते थे। वे मिलीजुली संस्कृति के प्रतीक थे। उन्होंने खुदा से कभी अपने लिए सुख-समृद्धि की माँग नहीं की। वे तो सच्चे सुर की माँग करते थे।

6 प्रकृति के उस अनंत और विराट स्वरूप को देखकर लेखिका को कैसी अनुभूति होती है ?

उत्तर-प्रकृति के अनंत और विराट स्वरूप को देखकर लेखिका को अनुभूति हुई कि हिमालय का स्वरूप पल-पल बदलता है। प्रकृति उसे अपना परिचय दे रही है। वह उसे और सयानी (बुद्धिमान) बनाने के लिए अपने रहस्यों का उद्घाटन कर रही है। प्रकृति के उस अनंत और विराट स्वरूप को देखकर उसे अनेक अनुभूतियाँ होती हैं।

3 कवि नागार्जुन ने बच्चे की मुसकान के सौंदर्य को किन-किन बिंबों के माध्यम से व्यक्त किया है ?

उत्तर-कवि ने बच्चे की मुसकान के सौंदर्य को निम्नांकित बिंबों के माध्यम से व्यक्त किया है-

- (क) बच्चे की मुसकान से मृतक में भी जान आ जाती है।
- (ख) यों लगता है मानो झोपड़ी में कमल के फूल खिल उठे हों।
- (ग) यों लगता है मानों चट्टानें पिघलकर जलधारा बन गई हों।

(घ) यों लगता है मानो बबूल से शेफालिका के फूल झारने लगे हों।

7 बिस्मिल्ला खाँ कला के अनन्य उपासक थे, तर्क सहित उत्तर दें।

उत्तर- बिस्मिल्ला खाँ कला के अनन्य उपासक थे। उन्होंने 80 वर्षों तक लगातार शहनाई बजाई। उनसे बढ़कर शहनाई बजाने वाला भारत भर में अन्य कोई नहीं हुआ। फिर भी वे अंत तक खुदा से सच्चे सुर की माँग करते रहे। उन्हें अंत तक लगा रहा कि शायद अब भी खुदा उन्हें कोई सच्चा सुर देगा जिसे पाकर वे श्रोता की आँखों में आँसू ला देंगे। उन्होंने अपने को कभी पूर्ण नहीं माना। वे अपने पर झल्लाते भी थे कि क्यों उन्हें अब तक शहनाई को सही ढंग से बजाना नहीं आया। इससे पता चलता है कि वे सच्चे कला-उपासक थे। वे दो-चार राग गाकर उस्ताद नहीं हो गए। उन्होंने जीवन-भर अभ्यास-साधना जारी रखी।

8. किन महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ होगा ?

उत्तर- अपने तन को ढँकने के लिए स्वयं को गर्मी, सर्दी और नंगेपन से बचाने के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ होगा। सुई-धागे की खोज से पहले मनुष्य नंगा रहता था। वह जैसे-तैसे वृक्ष की खाल या पत्तों से तन को ढँकता था। किन्तु उससे शरीर की ठीक से रक्षा नहीं हो पाती थी। अतः जब उसने सुई-धागे की खोज कर ली तो उसके हाथ बहुत बड़ी तकनीक लग गई। यह तकनीक इतनी कारगर थी कि आज भी हम लोग इसका भरपूर उपयोग करते हैं।

9. कैटून चश्मेवाला के साथ कैसा व्यवहार किया जाना अपेक्षित था ?

उत्तर-कैटून चश्मेवाला के साथ सहानुभूतिपूर्ण एवं सहयोगपूर्ण व्यवहार किया जाना चाहिए। वह एक अपांग व्यक्ति था फिर भी किसी से कुछ माँगता नहीं था, बल्कि नेताजी के सम्मान की रक्षा में अपना योगदान कर रहा था। लोगों का उसी उपेक्षा करना निंदनीय है। वह समाज से सम्मान पाने का पूरा हकदार था।

10 वह कौन-सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर ?

उत्तर-लेखिका कॉलेज में हड़ताल करवाने में सबसे आगे रहती थी। एक बार कॉलेज के प्रिंसिपल का पत्र पिताजी के नाम आया कि वे आकर मिलें और बताएँ कि उनकी बेटी मन्त्रू की गतिविधियों के कारण उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए ? इस पत्र को पढ़कर वे आग बबूला हो गए। उन्हें लगा कि कॉलेज में जाकर उन्हें काफी बातें सुननी पड़ेंगी। उनके कहर का अनुमान करके लेखिका अपनी सहेली के घर में छिपकर बैठ गई। कॉलेज जाकर पिताजी को प्रिंसिपल का यह कहना सुनने को मिला कि वह अपनी लड़की को घर पर बिठा लें क्योंकि उसके इशारे पर अन्य लड़कियाँ मैदान में जमा होकर नारे लगाने लगती हैं। यह सुनकर पिताजी को अपने बेटी पर गर्व हुआ और वे प्रिंसिपल से यह कहकर आए कि यह तो पूरे देश की पुकार है, इसे कोई कैसे रोक सकता है। वे खुश होकर घर लौटे। जब लेखिका की माँ ने पिताजी के खुश होने के बारे में बताया तब लेखिका को इस पर सहज विश्वास नहीं हुआ।

11. मनुष्य के जीवन में आस-पड़ोस का बहुत महत्व होता है। परन्तु महानगरों में रहने वाले लोग प्रायः 'पड़ोस कल्चर' से वंचित रह जाते हैं। इस बारे में अपने विचार लिखें।

उत्तर- यह सही है कि मनुष्य के जीवन में आस-पड़ोस का बहुत महत्व है। बड़े शहरों में रहने वाले लोग प्रायः 'पड़ोस कल्चर' से वंचित रह जाते हैं। वे अकेलेपन की पीड़ा झेलते हैं। उनके दुख-दर्द में साथ देने वाला कोई नहीं होता। सब अपने में सिमटे रहते हैं।

हमारा अनुभव भी इसी प्रकार का है। हमारे पड़ोस में रात्रि के समय एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। रातभर उनके पास दुख बाँटने के लिए कोई नहीं आया। प्रातः होने पर दिखावा करने के लिए कुछ लोग सहानुभूति प्रकट करके अपने-अपने काम पर चले गए। कहीं दस ग्यारह बजे तक कुछ रिश्तेदार आ पाए, तब जाकर मृतक को क्रियाकर्म के लिए श्मशान ले जाया जा सका।

12 कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है ?

उत्तर- कविता में बादल निम्नांकित अर्थों की ओर संकेत करता है-

- (क) बादल पीड़ित-प्यासे जनों की प्यास को बुझाने वाला है।
- (ख) बादल क्रांति के अर्थ की ओर भी संकेत करता है।
- (ग) बादल ललित कल्पना की ओर भी संकेत करता है।
- (घ) बादल जन-जन की आकांक्षा को पूरा करने वाला है।
- (ङ) बादल नवजीवन के अर्थ की ओर संकेत करता है।

13 कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था उसे कविता में किस रूप में अभिव्यक्त किया है ?

उत्तर- कवि ने अपने जीवन में सुख का स्वप्न देखा था। कवि ने कल्पना की थी कि वह प्रिय के साथ बैठकर हँसने के कुछ क्षण पा सकेगा। उसकी प्रिय के अरुण कपोलों पर लालिमा दौड़ जाएगी। वह भी मधुर चाँदनी रातों का आनंद उठा सकेगा। प्रिय उसके आलिंगन में आएगा और वह सुखानुभूति कर सकेगा।

14 प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है ?

उत्तर- प्रकृति के हिमशिखर जल-स्तंभ की तरह हैं। प्रकृति सर्दियों में यहाँ बर्फ के रूप में जल संग्रह कर लेती है और गर्मियों में जब चारों ओर जल के लिए त्राहि-त्राहि मचती है तब ये बर्फ पिघलकर नदियों में जल-धारा के रूप में बहकर हमारी प्यास को बुझाती है। इस प्रकार प्रकृति ने जल संचय की बहुत उत्तम व्यवस्था कर रखी है।

15 पाठ में आए किन प्रसंगों के आधार पर आप कह सकते हैं कि बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे।

उत्तर- बिस्मिल्ला खाँ हिंदु-मुस्लिम एकता के पर्याय थे। वे मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे। वे काशी के संकटमोचन मंदिर में हनुमान जयंती के अवसर पर आयोजित संगीत सभा में अवश्य सम्मिलित होते थे। वे बालाजी के मंदिर के नौबतखाने में शहनाई का रियाज नियमित रूप से करते थे। वे जीवन भर विश्वनाथ मंदिर में शहनाई बजाते रहे। इसी प्रकार वे मुहर्रम के अवसर पर आठवीं तिथि को शहनाई खड़े होकर बजाते थे। वे दोनों में कोई अंतर नहीं करते थे।

16 कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है ?

उत्तर- गोपियों ने कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को निम्नांकित युक्तियों से व्यक्त किया है-

- (क) वे स्वयं को कृष्ण रूपी गुड़ पर लिपटी हुई चींटी कहती हैं।
- (ख) वे स्वयं को हारिल पक्षी के समान कहती हैं
- (ग) वे मन, वचन और कर्म से कृष्ण को मन में धारण किए हुए हैं।
- (घ) वे जागते-सोते, दिन-रात और यहाँ तक कि सपने में भी कृष्ण का नाम रटती रहती हैं।
- (ङ) वे कृष्ण से दूर ले जाने वाले योग-संदेश को सुनते ही व्यथित हो उठती हैं।

17 'एक कहानी यह भी' आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है ?

उत्तर- लेखिका के पिता का आग्रह रहता था कि वह रसोई से दूर रहे। वे रसोई को 'भटियारखाना' कहते थे। उनका कहना था कि रसोई के इस भटियारखाने में रहने से व्यक्ति की प्रतिभा और क्षमता भट्टी में चली जाती है अर्थात् नष्ट हो जाती है। वे इसे समय की बर्बादी मानते थे।



**Apna Study
Apna Group**

Class 10 हिंदी
Most Important Questions